सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 135 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 19 जून, 2024
मूल्य ₹ 3/-

सुझाव देना और बाद में हमने जो कहा उसके नतीजे से बचने की कोशिश करना बेहद आसान है।

–जवाहरलाल नेहरु

भारतीय क्रिकेट टीम को संवारेंगे... 7 | उपचुनाव बढ़ा सकते हैं सियासी... 3 | उपचुनाव में बसपा मजबूती से... 2

प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे से गरमाई सियासत

फिर बाहर आई बिहार को विशेष राज्य बनाने की मांग

» कांग्रेस ने एनडीए सरकार को घेरा

» बीजेपी ने कहा- सिर्फ राजनीति कर रही कांग्रेस

» विपक्ष बोला कब पूरे होंगे वादे

» पीएम मोदी ने अब तक राज्य को विशेष दर्जा क्यों नहीं दिया : जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को बिहार दौरे पर थे। उनके इस दौरे के दौरान नीट मामले व बिहार को विशेष दर्जा देने के मामले में मौन रहने पर कांग्रेस ने निशाना साधा है। कांग्रेस ने राज्य से संबंधित कुछ विषयों को लेकर उन पर हमला करते हुए और सवाल किया कि उन्होंने अपने वादे के मुताबिक बिहार को अब तक विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया।

कांग्रेस ने नीट परीक्षा में कथित प्रश्नपत्र लीक का विषय उठाते हुए यह भी कहा कि क्या प्रधानमंत्री छात्रों को यह भरोसा दिला सकते हैं कि इस मामले में सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे? पार्टी नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, एक तिहाई प्रधानमंत्री नालंदा विश्वविद्यालय का उद्घाटन करने के लिए बिहार जा रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था कि नीट मामले में प्रधानमंत्री मौन क्यों हैं। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा था कि बीजेपी शासित राज्य पेपर लीक के एपीसेंटर बने हुए हैं। वहीं इन सबको लेकर बीजेपी ने भी पलटवार किया है उसने कहा है कांग्रेस क्यों राजनीति कर रही है।

नालंदा से कई देशों की विरासत जुड़ी : मोदी

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार सुबह बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया और इसे भारत की जीवंत संस्कृति और विरासत का प्रतीक कहा। इस कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और 17 देशों के राजदूत शामिल हुए। कैंपस का उद्घाटन करने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि नालानाडा यूनिवर्सिटी सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि देश की एक पहचान है। उन्होंने कहा कि नालंदा भारत की शैक्षणिक विरासत और जीवंत सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रतीक है। अपने प्राचीन खंडहरों के निकट नालन्दा का पुनर्जागरण। यह नया परिसर दुनिया को भारत की क्षमता से परिचित कराएगा। पीएम मोदी ने इतिहासकारों के दावों का जिक्र करते हुए कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय में लाखों किताबें और पांडुलिपियां अफगान कमांडरों द्वारा जला दी गईं थीं, कहा, नालंदा इस सत्य की घोषणा है। किताबें आग की लपटों में जल सकती हैं, लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नष्ट नहीं कर सकती हैं।

बिहार भारत का सबसे गरीब राज्य : जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि चुनाव अभियान के दौरान हमने उनसे कुछ सवाल पूछे थे। हम आशा करते हैं कि वह अब इनके उत्तर देंगे। उन्होंने सवाल किया, प्रधानमंत्री के वादे के अनुरूप बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया गया? कांग्रेस महासचिव ने कहा, 2014 में जब मोदी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे तब उन्होंने कई बार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा किया था। केंद्र की अपनी बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) रिपोर्ट के अनुसार, बिहार भारत का सबसे गरीब राज्य है। राज्य की 52 प्रतिशत आबादी की टीक से स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधा तक पहुंच नहीं है।

कभी भी गिर सकती है मोदी सरकार : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सत्तारूढ़ एनडीए की संख्या बहुत नाजुक है और थोड़ी सी गड़बड़ी सरकार गिरा सकती है। लोकसभा चुनाव परिणामों पर राहुल गांधी ने कहा कि संख्याएं ऐसी हैं कि बहुत नाजुक है और जरा सी गड़बड़ी सरकार गिरा सकती है। मूलत, एक (एनडीए) सहयोगी को दूसरे रास्ते पर जाना होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि एनडीए के कुछ साथी हमारे संपर्क में हैं लेकिन उन्होंने कोई नाम नहीं बताया लेकिन कहा कि मोदी खेमे के भीतर बहुत बड़ा असंतुलन है। राहुल ने कहा कि जिस पार्टी ने पिछले 10 साल अयोध्या के बारे में बात करते हुए बिताए, उसका अयोध्या में सफाया हो गया है। मूलतः जो हुआ है वह यह है कि भाजपा की धार्मिक नफरत पैदा करने की मूल अवधारणा ध्वस्त हो गई है। उन्होंने विपक्ष के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय अपनी दो भारत जोड़ो यात्राओं को भी दिया।

जिंदगी के 54वें बसंत में पहुंचे राहुल गांधी

» सभी नेताओं ने दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के बेटे राहुल गांधी आज यानी की 19 जून को अपना 54वां जन्मदिन मना रहे हैं।

राहुल गांधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पोते और देश के पहले पीएम रहे पं. जवाहर लाल नेहरु के परपोते हैं। राजनीति राहुल को विरासत में मिली है। वर्तमान समय में राहुल गांधी भी परिवार से विरासत में मिली राजनीति में सक्रिय हैं।

हमेशा मेरे दोस्त बने रहना भाई : प्रियंका गांधी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अपने भाई और सांसद राहुल गांधी को उनके जन्मदिन के मौके पर बधाई दिशा किया। प्रियंका ने राहुल को विश करते हुए कहा कि आप हमेशा मेरे दोस्त और मार्गदर्शक बने रहना। प्रियंका गांधी ने अपनी और राहुल की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, मेरे प्यारे भाई को जन्मदिन की शुभकामनाएं, जिसका जीवन, ब्रह्मांड और अन्य चीजों को लेकर दृष्टिकोण रास्ते को रोशन कर देता है। हमेशा मेरे दोस्त, मेरे सहयात्री, तर्कशील मार्गदर्शक, दार्शनिक और नेता बने रहना, चमकते रहो, तुम्हें सबसे ज्यादा प्यार!

राहुल सत्ता को दिखाते हैं सच्चाई का आईना : मल्लिकार्जुन खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी राहुल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। भारत के संविधान में निहित मूल्यों के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता और लाखों अनसुनी आवाजों के प्रति आपकी सशक्त करुणा, ऐसे गुण हैं जो आपको दूसरों से अलग करते हैं। कांग्रेस पार्टी का विविधता में एकता, सद्भाव और करुणा का लोकाचार आपके सभी कार्यों में दिखाई देता है, क्योंकि आप सत्ता को सच्चाई का आईना दिखाकर अंतिम व्यक्ति के आंसू पोंछने के अपने मिशन में लगे हुए हैं। मैं आपके लंबे, स्वस्थ और सुखी जीवन की कामना करता हूं।

बेजुबानों के लिए आवाज हैं राहुल गांधी : वेणुगोपाल

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी राहुल को जन्मदिन की मुबारकबाद दी। मैं अपने प्रिय नेता राहुल गांधी जी को शुभकामनाएं देने वाले करोड़ों भारतीय नागरिकों में खुद को शामिल करता हूं। राहुल जी भारत के गरीबों, वंचितों और पिछड़े नागरिकों के निर्विवाद नेता हैं। वह बेजुबानों की आवाज, कमजोरों के लिए शक्ति का स्तंभ, हमारे संविधान के संरक्षक, न्याय योद्धा और गौरवशाली भविष्य के लिए भारत की सबसे उज्ज्वल आशा हैं।

उपचुनाव में बसपा मजबूती से उतरने को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उम्मीदवार को परख कर टिकट देंगी मायावती

लखनऊ। यूपी में बसपा एकबार फिर अपने पांव जमाने के लिए आतुर है। बसपा प्रमुख मायावती यूपी में होने वाले उपचुनाव के लिए मजबूत उम्मीदवार की तलाश में जुटीं हैं। बहुजन समाज पार्टी विधानसभा की रिक्त हुई 10 सीटों पर प्रत्याशियों को उतारने की कवायद में लगी है। पार्टी उपचुनाव के जरिए विधानसभा में अपनी उपस्थिति को बढ़ाने की तैयारी कर रही है।

बता दें कि विधानसभा में बसपा के उमाशंकर सिंह अकेले विधायक हैं। लोकसभा, राज्यसभा और विधान परिषद में पार्टी का कोई भी सदस्य नहीं है। पार्टी सूत्रों की मानें तो उपचुनाव के लिए मजबूत उम्मीदवारों के नामों की फेहरिस्त तैयार करने का जिम्मा इस बार जिलाध्यक्षों को सौंपा गया है।

वह उम्मीदवारों के बारे में सीधे बसपा सुप्रीमो मायावती को अपनी रिपोर्ट देंगे, जिसके बाद हाईकमान अंतिम निर्णय लेगा। लोकसभा चुनाव में हुई करारी शिकस्त के बाद उपचुनाव से पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों को दूर रखा जा रहा है। जानकारों के मुताबिक बसपा के लिए उपचुनाव में अपने प्रत्याशी उतारना मजबूरी बन चुका है क्योंकि आजाद समाज पार्टी भी उपचुनाव लड़ने की तैयारी में जुटी है। यदि बसपा उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेती है तो दलित वोट बैंक आजाद समाज पार्टी की ओर रुख कर सकता है। यही वजह है कि अपने वोट बैंक को बचाए रखने और विधानसभा में अपने सदस्यों की संख्या को बढ़ाने के लिए बसपा उपचुनाव में उतरने की तैयारी में है। बता दें कि बसपा ने लोकसभा चुनाव के साथ हुए चार विधानसभा उपचुनाव में भी अपने प्रत्याशी उतारे थे, हालांकि उसे किसी भी सीट पर सफलता नहीं मिली थी।

आकाश आनंद पर संशय बरकरार

पार्टी के पूर्व नेशनल कोआर्डिनेटर और राजनीतिक उत्तराधिकारी आकाश आनंद की वापसी को लेकर अभी कौतूहल बरकरार है। लोकसभा चुनाव के दौरान आकाश आनंद को सभी पदों से हटाने का मायावती का फैसला पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं को नागवार गुजरा है।वहीं आकाश आनंद ने भी मायावती के इस फैसले के बाद चुप्पी साध ली है और उनकी सक्रियता कम हो गई है। जल्द होने वाली चुनावी समीक्षा बैठक में आकाश आनंद के आने पर भी असमंजस बना हुआ है।

दलित वोट बैंक को बचाने की कोशिश

यदि बसपा उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेती है तो दलित वोट बैंक आजाद समाज पार्टी की ओर रुख कर सकता है। लोकसभा चुनाव में हुई करारी शिकस्त के बाद उपचुनाव से पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों को दूर रखा जा रहा है। जानकारों के मुताबिक बसपा के लिए उपचुनाव में अपने प्रत्याशी उतारना मजबूरी बन चुका है, क्योंकि आजाद समाज पार्टी भी उपचुनाव लड़ने की तैयारी में जुटी है। यदि बसपा उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेती है तो दलित वोट बैंक आजाद समाज पार्टी की ओर रुख कर सकता है।

यही वजह है कि अपने वोट बैंक को बचाए रखने और विधानसभा में अपने सदस्यों की संख्या को बढ़ाने के लिए बसपा उपचुनाव में उतरने की तैयारी में है।

कांग्रेस को यूपी में मजबूती देने के लिए राहुल संभालेंगे मोर्चा

» नेता व कार्यकर्ताओं ने भी कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी रायबरेली से सांसद बने रहेंगे, जबकि वायनाड सीट पर हो रहे उपचुनाव में प्रियंका गांधी मैदान में उतरेंगी। कांग्रेस का यह फैसला अनायास नहीं है, बल्कि इसके सियासी मायने हैं। लोकसभा चुनाव में मिले जनमत से पार्टी उत्साहित है। कांग्रेस को उम्मीद है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में फिर से सियासी फसल लहलहाएगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी पदयात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश की सीमा में पहुंचते ही जातीय जनगणना और पिछड़ों-दलितों की हिस्सेदारी का मुद्दा उठाया था।

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी इस मुद्दे को निरंतर हवा दी गई। पिछड़े वर्ग का लोकसभा क्षेत्रवार सम्मेलन और संविधान रक्षा का संकल्प जैसे कार्यक्रम भी हुए। इन कार्यक्रमों का नतीजा रहा की पार्टी वोट प्रतिशत बढ़ाने में कामयाब रही। चुनाव जीतने के तत्काल बाद रायबरेली में हुआ कार्यकर्ता आभार सम्मेलन भी इसी रणनीति का हिस्सा है। पार्टी की तैयारी है कि हर लोकसभा क्षेत्र में जल्द ही आभार सम्मेलन का आयोजन कर कार्यकर्ताओं और आम मतदाताओं का आभार जताया जाएगा।

एक से छह हुए सांसद वोट प्रतिशत भी बढ़ा

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस एक सीट से बढ़कर छह सीटों पर पहुंच गई है, जबकि 11 लोकसभा क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर रही। पार्टी ने रायबरेली में अपना दबदबा बरकरार रखा तो अमेठी में पांच साल बाद हिसाब बराबर कर लिया। वहीं प्रयागराज, सहारनपुर में 40 साल बाद परचम लहराने में कामयाब रही। जिन सीटों पर कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही, वहां 2019 की अपेक्षा 40 फीसदी वोट बढ़ा है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस वर्ष 2014 में 7.53 फीसदी और 2019 में 6.36 फीसदी वोट हासिल कर पाई थी, लेकिन वर्ष 2024 में वह 9.46 फीसदी पर पहुंच गई है। पार्टी नेताओं का कहना है कि विधानसभा चुनाव के लिहाज से भी यह चुनाव परिणाम अहम है, जो पार्टी को नए सिरे से संजीवनी देगा।

महाराष्ट्र-हरियाणा उपचुनाव में सपा कांग्रेस से मांगेगी सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महाराष्ट्र में चुनाव जीतती रही है सपा

महाराष्ट्र में वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में सपा के दो विधायक जीते थे। इससे पहले भी सपा वहां चुनाव जीतती रही है। इसी आधार पर सपा ने महाराष्ट्र में दावा करने का फैसला किया है।

हरियाणा की कई सीटों पर मुस्लिम-यादव समीकरण प्रभावी

हरियाणा की 20 सीटों पर मुस्लिम-यादव समीकरण प्रभावी है, जिसे सपा अपने पक्ष में मानती है। इस बारे में सपा के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी का कहना है कि यूपी में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है, लेकिन उपचुनाव में सीटों के मामले में कोई भी निर्णय समय आने पर सपा नेतृत्व ही लेगा।

लखनऊ। यूपी में विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस-सपा का गठबंधन महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव पर निर्भर करेगा। अगर कांग्रेस इन दो राज्यों में सपा को सीट देने के लिए तैयार हुई, तभी सपा यूपी विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के किसी दावे पर विचार करेगी। यूपी में शीघ्र ही विधानसभा की 10 रिक्त सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से एक सीट सीसामऊ (कानपुर) सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि नौ विधानसभा सदस्य अब लोकसभा सांसद बन चुके हैं। इस तरह से शीघ्र ही चुनाव आयोग इन 10 रिक्त सीटों पर चुनाव कराएगा।

कांग्रेस इंडिया गठबंधन के तहत सपा से विधानसभा उपचुनाव में भी साझेदारी चाह रही है। हालांकि, लोकसभा चुनाव से पहले हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा को सीट न दिए जाने से दोनों दलों के बीच रिश्तों में काफी खटास आ गई थी। इस साल अक्तूबर में महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं। सपा सूत्रों का कहना है कि अगर कांग्रेस महाराष्ट्र और हरियाणा में उनकी पार्टी को कुछ सीटें देने पर रजामंद हुई, तभी यूपी के उपचुनाव में कांग्रेस को कोई सीट देने पर विचार किया जा सकता है।

बीजेपी का महाराष्ट्र नेतृत्व में बदलाव करने से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हालिया लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद प्रदेश भाजपा नेतृत्व में किसी भी बदलाव की संभावना से इनकार कर दिया। पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ महाराष्ट्र भाजपा के कोर समूह की बैठक में यह निर्णय लिया गया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, महाराष्ट्र में नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा।

बैठक में प्रदेश भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले, वरिष्ठ नेता सुधीर मुनगंटीवार, चंद्रकांत पाटिल, पंकजा मुंडे और विनोद तावड़े समेत अन्य नेता शामिल हुए। भाजपा ने हालिया लोकसभा चुनाव में नौ सीटें जीतीं, जो 2019 की 23 सीटों से कम है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सितंबर-अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए शिवसेना-भाजपा-राकांपा की महायुति सरकार से इस्तीफा देने और संगठन पर ध्यान केंद्रित करने की पेशकश की थी। भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर भी चर्चा हुई। बैठक के बारे में संवाददाताओं से फडणवीस ने कहा कि नेताओं ने लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन पर चर्चा की और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए रूपरेखा तैयार की।

उपचुनाव बढ़ा सकते हैं सियासी दलों का तनाव

यूपी की नौ सीटों पर होने हैं उपचुनाव, सपा-कांग्रेस मजबूत, बीजेपी हुई कमजोर, बदल गए कई सीटों पर समीकरण, सभी पार्टियां चुनावों के लिए तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के सबसे मजबूत सियासी दल कांग्रेस व सपा ने कमाल करते हुए भाजपा के गठबंधन को करारा झटका दिया। इस झटके की मार इतनी तगड़ी रही कि बीजेपी को 2024 में बहुमत से 32 सीटे दूर रहना पड़ गया। सपा व कांग्रेस को यूपी में 43 सीटें मिली हैं। जबकि बीजेपी को 34 सीटे ही मिल पाई हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा की वोट प्रतिशत भी गिरा है।

इसबार उसे पिछली चुनाव की अपेक्ष लगभग दो प्रतिशत का नुकसान हुआ है। अब चूकि यूपी में 9 ऐसी विधानसभा सीटें हैं जिन पर उप चुनाव होने हैं। दोनों की खेमें इसको लेकर तैयारी तेज हो गई है। सपा व कांगेस उत्साह में है और वह फिर एकबार लोक सभा चुनाव की रणनीति पर ही विधान सभा चुनाव लड़ने का मन बना रही है। जबकि बीजेपी को अपनी रणनीति बदलनी पड़ेगी। उत्तर प्रदेश में यूपी की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तैयारियां तेज हो गई है। हाल ही में लोकसभा चुनाव में जिस तरह के नतीजे सामने आए हैं उसके बाद प्रदेश की कई सीटों पर समीकरण बदले हुए नजर आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन पहले के मुकाबले कई सीटों पर मजबूत हुआ है वहीं 2022 से से कई सीटों पर बीजेपी कमजोर हुई है।

यूपी की जिन सीटों पर उपचुनाव होना है, वो सीटें हैं फूलपुर, मझवा, मीरापुर, मिल्कीपुर, करहल, कुंदरकी, गाजियाबाद, कटेहरी और खैर विधानसभा सीट। इसके अलावा रायबरेली की ऊंचाहार सीट भी सुर्खियों में हैं। इस सीट से विधायक मनोज पांडे अब बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने भी इस्तीफा दे दिया है लेकिन इस सीट को अभी तक खाली घोषित नहीं किया गया है। फूलपुर विधानसभा सीट इस सीट से बीजेपी के प्रवीण पटेल विधायक थे। जो 2024 के लोकसभा में सांसद चुने गए हैं। लेकिन, प्रवीण पटेल जीत तो गए लेकिन अपनी ही विधानसभा में वो कमजोर हो गए यहां पर वो 18 हजार वोटों से पीछे रहे जबकि 2022 के चुनाव वो करीब 3 हजार वोटों से जीते थे।

अखिलेश के लिए अहम है करहल विधानसभा

करहल विधानसभा सीट लोकसभा 2024 के चुनाव में सपा की डिंपल यादव को करहल 55000 की बढ़त मिली थी। जबकि, 2022 में अखिलेश यादव नें विधानसभा में 67 हजार से जीत दर्ज की थी। इस सीट से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव विधायक थे लेकिन कन्नौज से चुनाव जीतने के बाद ये सीट खाली हो गई है. इस सीट पर सपा मजबूत स्थिति में है। इन सीट से समाजवादी पार्टी के जियाउर्रहमान बर्क विधायक थे लेकिन अब वो संभल सीट से सांसद बन गए हैं। उन्हें अपनी विधानसभा में तकरीबन 60 हजार की लीड़ मिली थी, जबकि 2022 का चुनाव बर्क ने 43 हजार वोटों से जीता था। इस सीट पर सपा बीजेपी के मुकाबले और मजबूत होती दिख रही है। गाजियाबाद विधानसभा सीट से बीजेपी के अतुल गर्ग विधायक थे उनके सांसद चुने जाने के बाद यहां उपचुनाव होना है। अतुल गर्ग को अपनी विधानसभा में कांग्रेस की डॉली शर्मा के खिलाफ तकरीबन 70 हजार वोटों की बढ़त मिली थी. 2022 के विधानसभा में उन्होंने एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की थी।

मझवा विधानसभा सीट के बिंद बने भदोही के सांसद

मझवा सीट मिर्जापुर लोकसभा में आती है, जहां एनडीए की सहयोगी और अपना दल की नेता अनुप्रिया पटेल ने लोकसभा में जीत दर्ज की है, मझवा विधानसभा से अनुप्रिया को करीब 2000 की लीड मिली थी। इस सीट से डॉ विनोद बिंद बीजेपी से गठबंधन के सहयोगी निषाद पार्टी विधायक चुने गए थे। 2022 में जीत का अंतर करीब 33 हजार वोटों का था, इस बार विनोद बिंद बीजेपी के टिकट पर भदोही लोकसभा सीट से जीत दर्ज की हैं। हालांकि मझवा में बीजेपी कमजोर दिख रही है। मीरापुर विधानसभा सीट से रालोद के चंदन चौहान विधायक थे। जो इस बार बिजनौर लोकसभा सीट से 37508 वोटों के अंतर से सांसद चुने गए हैं। 2022 में रालोद ने सपा के साथ चुनाव लड़ा था, तब वो इस सीट पर 27 हजार वोटो से आगे थे। इस बार रालोद का बीजेपी के साथ गठबंधन हैं।

अयोध्या के मिल्कीपुर सीट पर रहेगी नजर

सपा अवधेश प्रसाद को इस विधानसभा से लोकसभा चुनाव में 8000 वोटों से बढ़त मिली थी, जबकि अवधेश प्रसाद ने 2022 का चुनाव 13 हजार वोटों से जीता था। अवधेश प्रसाद इस बार फैजाबाद सीट से सांसद चुने गए हैं। उनकी जीत इसलिए बड़ी हैं क्योंकि यहां अयोध्या सीट और भव्य राम मंदिर बनाया गया हैं।

कटेहरी भी है महत्वपूर्ण सीट

कटेहरी विधानसभा सीट से सपा के लालजी वर्मा विधायक थे लेकिन अब वो सांसद बन गए हैं जिसके बाद उन्होंने विधायकी से इस्तीफा दे दिया है। लालजी वर्मा को कटेहरी में 17 हजार वोटों की बढ़त मिली, जबकि 2022 का विधानसभा चुनाव 7 हजार वोटों से जीता था, जाहिर है वो अपने क्षेत्र में और मजबूत हुए हैं। उन्होंने बीजेपी के मजबूत प्रत्याशी रितेश पांडे को 1.37 लाख वोटों से हराया। रितेश पांडे 2019 में सपा-बसपा गठबंधन से सांसद चुने गए थे लेकिन, चुनाव से ठीक पहले उन्होंने बीजेपी का दामन थाम लिया था। अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट भी बीजेपी विधायक अनूप प्रधान के इस्तीफे के बाद खाली हो गई है. अनूप प्रधान हाथरस से सांसद चुने गए हैं। उन्होंने 2,47,318 वोटों से जीत दर्ज की है।

ऊंचाहार सीट पर मनोज पांडेय का भविष्य टिका

इन नौ सीटों के अलावा रायबरेली की ऊंचाहार विधानसभा सीट पर भी जल्द ही उपचुनाव हो सकते हैं। 2022 में यहां से सपा के मनोज पांडे ने 82,514 वोटों से जीत दर्ज की थी। लेकिन चुनाव के दौरान उन्होंने सपा से इस्तीफा दे दिया। इस सीट पर कांग्रेस के राहुल गांधी के पक्ष में जमकर वोटिंग हुई। राहुल गांधी करीब 82000 वोटों से आगे रहे। मनोज पांडे के इस्तीफे के बाद ये सीट खाली घोषित नहीं हुई है।

विधान परिषद में सपा का दावा मजबूत

विधान परिषद में सपा के पास अभी तक नेता प्रतिपक्ष का पद नहीं था, क्योंकि इसके लिए 10 प्रतिशत सदस्य उसके पास नहीं थे। हाल ही में सपा के नवनिर्वाचित तीन सदस्यों के शपथ लेने से उसके पास उच्च सदन में भी नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए पर्याप्त संख्याबल हो गया है। विधान परिषद में सपा दल के नेता लाल बिहारी यादव दौड़ में आगे बताए जा रहे हैं। हालांकि, जिन अन्य नामों पर विचार हो रहा है, उनमें राजेंद्र चौधरी, जासमीन अंसारी और शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली भी शामिल हैं। सपा सूत्रों के मुताबिक, 24 जून से शुरू हो रहे संसद सत्र के दौरान ही अखिलेश यूपी के भी दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष के बारे में निर्णय ले लेंगे।

नेता प्रतिपक्ष के सहारे जातीय समीकरण साधेगी सपा

समाजवादी पार्टी विधानसभा और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के जरिये जातीय समीकरण साधेगी। जिससे जनता में यह संदेश जाए कि पीडीए (पिछड़े, दलित और मुस्लिम) उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता में है। इसको लेकर पार्टी के अंदर गंभीर मंथन चल रहा है। अभी तक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर अखिलेश यादव थे, पर कन्नौज से सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है। अब वे राष्ट्रीय राजनीति पर ज्यादा फोकस करेंगे। यहां विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में पूर्व कैबिनेट मंत्री और अखिलेश के चाचा शिवपाल यादव का नाम आगे चल रहा है। दौड़ में विधायक इंद्रजीत सरोज, रामअचल राजभर और कमाल अख्तर भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, नेता प्रतिपक्ष चुनने में अखिलेश यादव इसका ध्यान रखेंगे कि सदन में भाजपा सरकार को आक्रामक रूप से घेरने में कौन ज्यादा सक्षम साबित होगा।

लोकसभा चुनाव के परिणाम से उत्साहित सपा ने भाजपा की नीतियों पर आक्रामक ढंग से प्रहार करने की रणनीति पर चलने का फैसला किया है। इस रणनीति पर खरा उतर सकने वाला नेता ही विधानसभा में समाजवादी दल का अगुवा बनेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अब तो शीर्ष अदालत से ही इंसाफ की उम्मीद !

“

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर परीक्षा को आयोजित करने में कोई गलती हुई है, तो उसे स्वीकार करना चाहिए। इसमें सुधार की भी जरूरत है। बेंच ने माना कि इसमें कोई कोई गड़बड़ी हुई है। केंद्र और एनटीए को फटकार करते हुए कहा कि लाखों बच्चों ने बहुत मेहनत की है, हम उसे नजरंदाज नहीं कर सकते हैं, दूसरी याचिकाओं के साथ मामले की सुनवाई 8 जुलाई को होगी।

नीट मामले की आजकल सुनवाई चल रही है। इसको लेकर सुप्रीमकोर्ट ने एक सख्त टिप्पणी की है। उसने कहा कि अगर 0.001प्रतिशत भी गलती हुई है तो वह अक्षम्य है। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि इस तरह की धांधली होगी तो ऐसी स्थिति की कल्पना करें जहां कोई व्यक्ति सिस्टम के लिए नुकसानदायक हो जाए या समझिए अगर कुछ भी गड़बड़ी हुई तो सोचिए कैसा डॉक्टर समाज में आ सकता है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की गलती से उन बच्चों के साथ नाइंसाफी है जो कड़ी मेहनत से परीक्षा देते हैं। कोर्ट की इस तरह कर टिप्पणी सराहनीय है। इससे बच्चों को ही नहीं उनके माता-पिता को भी उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आएगा उनको आगे लाभ भी देगा और परीक्षा करवाने वालों को भी सचेत करेगा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर परीक्षा को आयोजित करने में कोई गलती हुई है, तो उसे स्वीकार करना चाहिए। इसमें सुधार की भी जरूरत है। बेंच ने माना कि इसमें कोई कोई गड़बड़ी हुई है। केंद्र और एनटीए को फटकार करते हुए कहा कि लाखों बच्चों ने बहुत मेहनत की है, हम उसे नजरंदाज नहीं कर सकते हैं, दूसरी याचिकाओं के साथ मामले की सुनवाई 8 जुलाई को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को कहा कि वह आठ जुलाई को तैयार होकर आएं। इसके साथ ही नई याचिकाओं पर भी केंद्र और एनटीए को नोटिस दिया गया है और दो हफ्ते में जवाब मांगा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से कहा कि आपको निष्पक्षता से काम करना चाहिए। अगर कोई गलती है, तो हां कहें, ये एक गलती है और हम कार्रवाई करने जा रहे हैं। कम से कम इससे आपके प्रदर्शन पर भरोसा तो बढ़ेगा। हम आपसे समय पर कार्रवाई की उम्मीद करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नीट यूजी, 2024 में कथित पेपर लीक की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने हितेन सिंह कश्यप द्वारा दायर याचिका पर 5 मई को परीक्षा आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी(एनटीए) से भी जवाब मांगा है. कोर्ट ने एनटीए को दो सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा और मामले पर विचार के लिए 8 जुलाई की तारीख तय की है। बेंच ने कहा कि परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी का प्रतिनिधित्व करते हुए आपको मजबूती से खड़ा होना होगा। इस बीच जब कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पक्ष रख रहे एक अधिवक्ता ने परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न से संबंधित मुद्दा उठाया तो बेंच ने कहा कि एनटीए और केंद्र इस पर जवाब देंगे। कोर्ट ने कहा, कि पहले हम आपकी दलीलों का मकसद समझ लें। इन मामलों में हम शाम तक बैठने को तैयार हैं। उम्मीद की जानी चाहिए सुप्रीम कोर्ट की पैरवी के बाद एनटीए आने वाले समय में उचित तरीके से परीक्ष आयोजित करवाएगा और सबके उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महज सियासी मजबूरी से न हो अग्निवीर योजना पर पुनर्विचार

सी. उदय भास्कर

आम चुनाव-2024 का परिभाषित परिणाम यह है कि भारत का राजकाज सही मायने में गठबंधन सरकार चलाएगी, जिसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है, जो दो मुख्य सहयोगियों, जनता दल यूनाइटेड और तेलुगू देशम पार्टी के नाजुक समर्थन पर टिकी है। अतएव, मोदी सरकार-3 में शासन का स्वरूप और अवयव पिछले एक दशक में देखे गए रंग-ढंग जैसा न होगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा-सैन्य ढांचे के मामले में बदलाव लाने की मांग पहले ही सामने आ चुकी है। जनता दल (यू) ने कहा है कि मोदी सरकार-2 में लागू की गई विवादित अग्निपथ योजना को पुनर्समीक्षा की जरूरत है। इस योजना के तहत सेना में फौजी (अग्निवीर) की भर्ती, छह महीने के प्रशिक्षण सत्र के बाद, चार साल के लिए होती है, इसके सेवा-नियम पूर्व में लागू पेंशन एवं संबंधित लाभों से एकदम अलग हैं, जो विगत में अफसर से निचले स्तर के फौजियों को 15 साल के सेवाकाल के बाद मिला करते थे। शपथ समारोह से पूर्व जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी का बयान आया : 'अग्निपथ योजना को लेकर कुछ तबकों में रोष है। हमारी पार्टी चाहती है कि इसमें व्याप्त खामियों को दूर किया जाए'। जब वर्ष 2022 के मध्य में यह योजना लागू की गई थी, तब पेशेवर हलकों में इस बात को लेकर काफी नुक्ताचीनी हुई थी कि यह प्रधानमंत्री कार्यालय का शायद एकतरफा निर्णय है। नई योजना के सूक्ष्म बिंदुओं पर न तो सेना के आला अफसरों से सलाह-मशविरा किया गया, न ही सांसदों के बीच इस पर विस्तृत विमर्श हुआ। दिसंबर, 2019 से अप्रैल, 2022 तक सेनाध्यक्ष रहे जनरल एमएम नरवणे ने विमोचन की प्रतीक्षा कर रही अपनी किताब में अग्निपथ बाबत मूल्यवान जानकारी दी है। वे कहते हैं कि उन्होंने तो थल सेना में अल्प-कालिक भर्ती के लिए 'टूअर-ऑफ-ड्यूटी' नामक एक प्रयोगात्मक योजना का प्रारूप सुझाया था लेकिन 2022 में प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी नीति एकदम अलग स्वरूप वाली थी और इसको सेना के तीनों अंगों पर लागू कर दिया गया। यह भी कहा -'हम थल सेना वालों को तो घटनाक्रम में आए इस मोड़ से सिर्फ हैरानी ही हुई, लेकिन नौसेना एवं वायु सेना के लिए तो यह अचानक चौंकाने वाली बात थी'।

नियमानुसार चलने वाले लोकतंत्र की रिवायतों का तकाजा है कि यदि देश का राजनीतिक नेतृत्व कोई नीति संबंधी निर्णय लेता है तो सेना के सर्वोच्च अधिकारियों को उसका पालन करना पड़ता है, अग्निपथ योजना में यही हुआ।

हालांकि इसकी पृष्ठभूमि में, प्रमाणित है कि मोदी सरकार-2 का यह फैसला मुख्यत: बजटीय कारणों को ध्यान रखकर लिया गया (पेंशन मद बचाना), और इसका असर सेना की लड़ाकू-दक्षता पर कितना होगा, इस पर विचार गौण था।

अग्निपथ योजना सम्मिलित राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए दीर्घकाल में कितनी फायदेमंद रही, इसका अंदाजा एक दशक या उसके बाद ही हो पाएगा। जदयू की मांग ने अब किया यह है कि राजनीतिक मजबूरी ने सैन्य-व्यय पर पुनर्विचार करना आवश्यक बना डाला है। गठबंधन सरकार का एक भागीदार भाजपा को इस नीति की पुनर्समीक्षा करने को मजबूर कर रहा है, परंतु इसके पीछे वजह व्यावसायिक पहलू न होकर राजनीतिक है। यह तो बिहार में फौजी बनने के चाहवान युवाओं के बड़े वर्ग के गुस्से और हताशा को शांत करने के वास्ते है, क्योंकि अग्निपथ योजना फौजी वर्दी धारण करने का मौका उनसे छीनने के अलावा सरकारी पेंशन रूपी आर्थिक सुरक्षा से भी वंचित कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले चले प्रचार में, कांग्रेस और सपा के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने नई सैनिक भर्ती योजना पर अपने एतराज खुलकर जाहिर किए।

यह वांछित घटनाक्रम नहीं है, जिसमें महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा निर्णय और नीतियां लागू होने बाद उनपर बहस करनी पड़े। इससे बचा जा सकता था यदि अपने दूसरे कार्यकाल में अग्निपथ योजना की घोषणा करने से पहले प्रधानमंत्री मोदी सदन के अंदर और सेना के आला अधिकारियों से विचार-विमर्श करने की जहमत उठा लेते। इसमें कोई शक नहीं कि भारतीय सेना और उच्च रक्षा प्रबंधकीय ढांचे में नीतियों की समीक्षा और तंत्र का पुनर्निर्माण करने की जरूरत बहुत ज्यादा है। मोदी सरकार-1 में चार रक्षा मंत्री रहे और जो एकमात्र बड़ा निर्णय लिया गया वह था, नवम्बर 2015 में वन रैंक-वन पेंशन को मंजूरी देना और इसका स्वागत भी हुआ। मोदी सरकार-2 (2019-24) में,प्रधानमंत्री ने कुछ साहसिक किंतु एकदम अलग निर्णय लिए, मसलन, चीफ सीडीएस पद और डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स (डीएमए) का सृजन। अलबत्ता पांच साल बाद भी, इस सिलसिले में विभागीय पुनर्गठन का काम अधूरा है। लोकतांत्रिक स्वरूप वाली सरकारें वक्त के साथ अपनी नीतियों के सांचे में क्रमिक सुधार करती रहती हैं। भारत के मामले में, प्रत्येक प्रधानमंत्री - नेहरू और उनके बाद आने वाले - प्रधानमंत्री कार्यालय को और अधिक शक्तिशाली करते गए। लेकिन रिवायत रही कि संसद के भीतर, व विशेषकर विषय संबंधित संसदीय कमेटियों से सलाह-मशविरा किए जाने ने पारदर्शिता लाने और उद्देश्यपूर्ण समीक्षा एवं सर्वसम्मति की अनुमति के लिए मूल्यवान भूमिका निभाई।

धरे रह गये केदारनाथ आपदा के सबक

जयसिंह रावत

केदारनाथ आपदा को गुजरे हुये 11 साल हो गये मगर उस विभीषिका के घाव अब तक नहीं भर पाये। उस त्रासदी में न जाने कितने लोग मरे होंगे, इसका सटीक अनुमान नहीं लग सका। मगर राज्य पुलिस द्वारा मानवाधिकार आयोग को सौंपे गयी रिपोर्ट में इस आपदा में पूरे 6182 लोग लापता बताये गये। जिन साधुओं का पूछने वाला कोई नहीं तथा देश के सुदूर हिस्सों से आये गरीब यात्रियों का कोई रिकार्ड ही नहीं था। अगर हमने केदारनाथ आपदा से कोई सबक सीखा होता तो 7 फरवरी, 2021 को सीमान्त चमोली जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्र में धौलीगंगा और ऋषिगंगा की बाढ़ की तबाही नहीं होती। उस त्रासदी में कम से कम 206 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई। ऋषिगंगा पर 13.2 मेगावाट और धौलीगंगा पर 520 मेगावाट के बिजली प्रोजक्ट नहीं बन रहे होते तो इन नदियों की बाढ़ उतनी विनाशकारी नहीं होती।

लगता है हमारे योजनाकार और नीति-नियंता न तो केदारनाथ की और न ही धौलीगंगा की बाढ़ की विभीषिका से कोई सबक सीख सके। विकास के नाम पर पारिस्थितिकी से बेतहाशा छेड़छाड़ सम्पूर्ण हिमालय के साथ हो रही है, जिसका अंजाम हम पिछले साल हिमाचल प्रदेश में भी देख चुके हैं।

भारतीय भूगर्भ विभाग के तत्कालीन निदेशक सहित महेन्द्र प्रताप सिंह बिष्ट आदि भूवैज्ञानिकों ने रामबाड़ा से ऊपर किसी भी हाल में भारी निर्माण कार्यों पर रोक लगाने की सिफारिश के साथ कहा था कि केदारनाथ धाम किसी ठोस जमीन पर न होकर मलबे के ऊपर स्थापित है, जो कि भारी निर्माण को सहन नहीं कर सकता। इधर विशेषज्ञों की चेतावनियों के बावजूद सौंदर्यीकरण के नाम पर बड़े इलाके को खोद दिया गया। इस खुदाई के कारण बदरीनाथ की क्रोम धारा जैसी कुछ पवित्र धाराएं लुप्त हो गयीं।

उत्तराखंड के चारों धामों में यात्रियों की भीड़ पिछले रिकार्ड तोड़ती जा रही है। इस साल 16 जून तक चारों धामों में 23,54,440 यात्री पहुंच चुके थे। जबकि सन् 2000 तक पूरे छह महीनों में इससे बहुत कम यात्री आते थे। इन तीर्थों तक मोटर सड़क बनने से पहले मात्र 60-70 हजार यात्री ही पहुंच पाते थे। खास बात यह है कि यात्रियों का सैलाब बदरीनाथ से ज्यादा केदारनाथ में उमड़ रहा है। जबकि केदारनाथ के लिये 21 किमी लम्बी पैदल यात्रा है और बदरीनाथ सीधे वाहन से जाया जाता है।

पद्मभूषण चण्डी प्रसाद भट्ट आदि विशेषज्ञों के अनुसार हिमालयी तीर्थों पर उनकी धारक क्षमता से इतनी अधिक भीड़ विनाशकारी ही हो सकती है। चिन्ता का विषय तो यह है कि लाखों वाहन सीधे गंगोत्री और सतोपन्थ ग्लेशियर समूहों के पास तक पहुंच रहे हैं। जिससे इन ग्लेशियरों के पिघलने की गति बढ़ने और हिमालय पर हिमनद झीलों की संख्या और आकार बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है। सन् 2013 की बाढ़ में चोराबाड़ी झील ही केदारनाथ पर टूट पड़ी थी। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस साल 16 जून तक मात्र एक माह और 6 दिन में 2,58,957 वाहन बदरीनाथ, गंगोत्री, केदारनाथ तथा यमुनोत्री के निकट पहुंच चुके थे। केदारनाथ आपदा के कारणों का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) की टीमों ने स्वयं दो बार आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने के साथ ही रिमोट सेंसिंग, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलाजी, राज्य आपदा न्यूनीकरण केन्द्र और भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग जैसी विभिन्न विशेषज्ञ एजेंसियों के सहयोग से तीन खंडों में अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। जिसमें 19 सिफारिशें और चेतावनियां दी गयीं थीं। इसमें जलविद्युत परियोजनाओं से स्थानीय समुदाय को त्वरित बाढ़, जमीन धंसने, जलस्रोत सूखने और जनजीवन प्रभावित होने के साथ ही वन्य जीवन और पर्यावरण दूषित होने की शिकायतें भी रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया था कि उत्तराखंड जैसे संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं के लिये पर्यावरण प्रभाव आंकलन बाध्यकारी होना चाहिए। इन परियोजनाओं की विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में सुरंगों तथा अन्य क्षेत्रों से पहाड़ काट कर निकले मलबे के निस्तारण का भी स्पष्ट प्लान होना चाहिए। क्योंकि इस मलबे से नदी में त्वरित बाढ़ आने के साथ ही नदी की दिशा भटक जाती है जो कि भूस्खलनों को भी जन्म देती हैं। रिपोर्ट में कहा गया था कि केदारनाथ की बाढ़ में श्रीनगर में 330 मेगावाट की परियोजना और चमोली जिले में 400 मेगावाट की विष्णुप्रयाग परियोजनाओं के मलबे ने बाढ़ की विभीषिका को कई गुना बढ़ाया है। इसरो द्वारा गत वर्ष जारी देश के 147 संवेदनशील जिलों के भूस्खलन मानचित्र में उत्तराखंड का रुद्रप्रयाग जिला संवेदनशीलता की दृष्टि से एक नम्बर पर तथा टिहरी दूसरे नम्बर पर दिखाया गया है। प्रदेश के सभी 13 जिले संवेदनशील बताये गये हैं। लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। एनआईडीएम की रिपोर्ट में भूस्खलन जोन मैपिंग का प्राथमिकता के आधार पर पालन, निर्माण कार्यों में विस्फोटों के प्रयोग पर रोक, सड़क निर्माण में वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग, ढलानों के स्थिरीकरण के ठोस प्रयास, ग्लेशियल लेक तथा नदी प्रवाह निगरानी का ठोस ढांचा तैयार करने की सिफारिश भी की गयी थी।

'काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायर्नमेंट एण्ड वाटर' (सीईईडब्ल्यू) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में 1970 की अलकनन्दा बाढ़ के बाद त्वरित बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, हिमनद झीलों के फटने और बिजली गिरने आदि आपदाओं में चार गुना वृद्धि हो गयी है। इन आपदाओं के खतरे में राज्य के 85 प्रतिशत जिलों की 90 लाख से अधिक आबादी आ गयी है।

इन जगहों पर घूमें बिना अधूरी है ऋषिकेश यात्रा

दिल्ली से सबसे करीबी पर्यटन स्थलों में से एक उत्तराखंड का ऋषिकेश है। ऋषिकेश अध्यात्म और योग की नगरी है। यह स्थान धार्मिक महत्व तो रखता ही है, साथ ही एडवेंचर पसंद लोगों को भी आकर्षित करता है। खास बात ये है कि ऋषिकेश किसी भी मौसम में घूमने के लिए जा सकते हैं। गर्मी से लेकर सर्दियों तक में सफर का लुत्फ उठा सकते हैं। ऋषिकेश वीकेंड ट्रिप यानी दो दिन के लिए भी जा सकते हैं। साथ ही यहां घूमने के लिए अधिक व्यय भी नहीं करना पड़ता। हालांकि अगर आप ऋषिकेश घूमने जा रहे हैं तो यहां की पांच खास जगहों पर जाना कभी न भूलें। इन पांच जगहों को घूमे बिना ऋषिकेश ट्रिप अधूरी है।

बीटल्स आश्रम

ऋषिकेश में सन् 1961 को महर्षि महेश योगी द्वारा योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। 60 के दशक में प्रसिद्ध बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम में पहुंचा, तब से यह स्थान बीटल्स आश्रम के नाम से मशहूर हो गया। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

नीलकंठ महादेव

गढ़वाल के प्रवेश द्वार ऋषिकेश में भगवान शिव का ऐसा ही एक धाम है, जहां भोलेनाथ ने समुद्र मंथन से निकले विष का विषपान किया था। नीलकंठ महादेव मंदिर में एक लोटा जल चढ़ाने मात्र से भोलेनाथ प्रसन्न हो जाते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले विष को ग्रहण कर के सृष्टि को नष्ट होने से बचाया था। इसी स्थान पर भगवान शंकर ने विषपान किया था। इसके बाद भगवान शिव पर समस्त देवी-देवताओं ने जल चढ़ा कर उनके द्वारा ग्रहण किए हुए विष की ज्वाला को शांत किया, तभी से भोलेनाथ 'नीलकंठ' कहलाए।

त्र्यंबकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर प्रसिद्ध लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। इस मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। 13 मंजिला यह भव्य मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। साथ ही 13 मंजिल मंदिर के नाम से भी मशहूर है।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाएं तो यहां के त्रिवेणी घाट पर कुछ वक्त जरूर बिताएं। त्रिवेणी घाट पर तीन नदियों का संगम होता है। मान्यता है कि यहां गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। यग स्थान हिंदू पौराणिक कथाओं में सबसे पवित्र माना गया है। इस घाट पर प्रातः काल, दोपहर के वक्त और संध्याकाल में तीन बार गंगा आरती होती है। शाम की महाआरती में सम्मलित जरूर हों।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में स्थित जानकी सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। जी 20 बैठक के दौरान इसे बेहद सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें पुल की सुंदरता को बढ़ाती हैं और फोटोशूट के लिए बेहतरीन जगह है। यहां प्रियदर्शिनी पार्क और योग पार्क बना हुआ है।

हंसना मना है

भैया सही रेट लगाओ ना, हम तो हमेशा आप से ही सामान खरीदते है, बकवास मत करो, अभी दो दिन ही हुए है दुकान खोली है मैंने?

स्कूल में आग लग गयी सब बच्चे खुश थे कि स्कूल नहीं जाना पड़ेगा, पर एक बच्चा उदास था, अध्यापक-बेटा तुम दु:खी क्यों हो? बच्चा-सर आप जिंदा कैसे बच गए।

टीचर- न्यूटन का नियम बताओ..स्टूडेंट - सर पूरी लाइन तो याद नहीं, लास्ट का याद है। टीचर- चलो लास्ट का ही सुनाओ, स्टूडेंट -और इसे ही न्यूटन का नियम कहते है!

स्कूल के पीछे नदी में, प्रिंसिपल डूब रहा था, एक, छात्र ने ये देखा तो, चिल्लाते हुवे स्कूल की तरफ भागा .. कल छुट्टी है..

दादी- अरे बिटिया, तू खाना बनाना सीख ले थोड़ा। लड़की को खाना बनाना आना ही चाहिए। पोती- लेकिन क्यों, दादी? दादी - अरे, कभी पति घर पर नहीं हुआ तो भूखे पेट सोएगी क्या?

जिधर देखो इश्क के बीमार बैठे हैं, हजारों मर गये लाखों तैयार बैठे हैं, सभी बर्बाद होते हैं लडकियों के पीछे और कहते हैं की मोदी सरकार कि वजह से बेरोजगार बैठे हैं..

कहानी | साधु और चूहा

बहुत समय पहले की बात है। एक गांव में एक साधु मंदिर में रहा करता था। उनकी दिनचर्या रोजाना प्रभु की भक्ति कराना और आने-जाने वाले लोगों को धर्म का उपदेश देना था। गांव वाले भी जब भी मंदिर आते, तो साधु को कुछ न कुछ दान में दे जाते थे। इसलिए, साधु को भोजन और वस्त्र की कोई कमी नहीं होती थी। रोज भोजन करने के बाद साधु बचा हुआ खाना छींके में रखकर छत से टांग देता था। समय ऐसे ही आराम से निकल रहा था, लेकिन अब साधु के साथ एक अजीब-सी घटना होने लगी थी। वह जो खाना छींके में रखता था, गायब हो जाता था। साधु ने परेशान होकर इस बारे में पता लगाने का निर्णय किया। उसने रात को दरवाजे के पीछे से छिपकर देखा कि एक छोटा-सा चूहा उसका भोजन निकालकर ले जाता है। दूसरे दिन उन्होंने छींके को और ऊपर कर दिया, ताकि चूहा उस तक न पहुंच सके, लेकिन यह उपाय भी काम नहीं आया। उन्होंने देखा की चूहा और ऊंची छलांग लगाकर छींके पर चढ़ जाता और भोजन निकाल लेता था। अब साधु चूहे से परेशान रहने लगा था। एक दिन उस मंदिर में एक भिक्षुक आया। उसने साधु को परेशान देखा और उसकी परेशानी का कारण पूछा, तो साधु ने भिक्षुक को पूरा किस्सा सुना दिया। भिक्षुक ने साधु से कहा कि सबसे पहले यह पता लगाना चाहिए कि चूहे में इतना ऊंचा उछलने की शक्ति कहां से आती है। उसी रात भिक्षुक और साधु दोनों ने मिलकर पता लगाना चाहा कि आखिर चूहा भोजन कहां ले जाता है। दोनों ने चुपके से चूहे का पीछा किया और देखा कि मंदिर के पीछे चूहे ने अपना बिल बनाया हुआ है। चूहे के जाने के बाद उन्होंने बिल को खोदा, तो देखा कि चूहे के बिल में खाने-पीने के सामान का बहुत बड़ा भण्डार है। तब भिक्षुक ने कहा कि इसी वजह से ही चूहे में इतना ऊपर उछलने की शक्ति आती है। उन्होंने उस सामग्री को निकाल लिया और गरीबों में बांटा दिया। जब चूहा वापस आया, तो उसने वहां पर सब कुछ खाली पाया, तो उसका पूरा आत्मविश्वास समाप्त हो गया। उसने सोचा कि वह फिर से खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेगा। यह सोचकर उसने रात को छींके के पास जाकर छलांग लगाई, लेकिन आत्मविश्वास की कमी के कारण वह नहीं पहुंच पाया और साधु ने उसे वहां से भगा दिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। किस्मत मेहरबान रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

वृषभ अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा।

मिथुन पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्क नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा।

सिंह कुसंगति से हानि होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

कन्या वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

तुला शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृश्चिक लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है।

धनु किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी।

मकर पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कुम्भ प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किस्मत मेहरबान रहेगी। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। घर में तनाव रह सकता है।

मीन शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड में हर कोई करता है आपका ब्रेनवॉश: बॉबी देओल

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में अबरार हक की भूमिका से लोगों की पहली पसंद बन चुके बॉबी देओल इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। तमाम बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके बॉबी देओल ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए एक गहरे राज से पर्दा उठाया है, साथ ही उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म के बारे में भी बात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बॉबी ने कहा, कभी-कभी आप खो जाते हैं, इंडस्ट्री जिस तरह से आप पर प्रतिक्रिया करती है, उसकी वजह से ही आप आगे बढ़ने के लिए बेहद ही आसान और सुरक्षित रास्ता चुनना पसंद करते हैं। आप चुनौतियां नहीं लेना चाहते, क्योंकि आप खुद को ऐसी स्थिति में नहीं डालना चाहते है, जो आपके आरामदायक जोन से बाहर हो। क्योंकि कहीं न कहीं हर कोई आपका ब्रेनवॉश कर रहा होता है। लेकिन ऐसा ही होता है, यह कुछ ऐसा है जो दुखद है जो अभिनेताओं के साथ होता रहा है। बॉबी ने आगे कहा, मैं सौभाग्यशाली हूं क्योंकि मैं इससे बाहर निकलने में कामयाब हो पाया। हालांकि बहुत सारे अभिनेता ऐसा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे अभी भी इससे संभल नहीं पा रहे हैं, लेकिन मैंने कर लिया। और अब पूरी तरह से चीजें बदल गई हैं। मुझे लगता है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने हर एक अभिनेता को अलग-अलग तरह के किरदार निभाने का मौका दिया है। लोगों ने उनके अभिनय को देखा और उसे पसंद भी किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक इंटरव्यू में बॉबी देओल ने अपने परिवार के भावनात्मक पहलू के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा, काफी मेहनत करने के बाद कुछ महत्वपूर्ण हासिल करने पर खुशी के आंसू आना एक स्वाभाविक और समझ में आने वाली प्रतिक्रिया है। बॉबी ने आगे कहा, मुझे लगता है कि मेरा पूरा परिवार बेहद भावुक है। सभी देओल पुरुष रोते हैं। हम इसके बारे में शर्मिंदा नहीं हैं। यह एक भावना है, जो बस वहां से (दिल) है। मुझे लगता है कि हर कोई रोता है, बस यह है कि ज्यादातर लोग इसके बारे में बात नहीं करते हैं। देओल भावुक लोग हैं, और हम इस तरह से खुश हैं।

मेरी शक्ल प्रीति से मिलती है: तापसी

पन्नू ने की प्रीति जिंटा की तारीफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने साल 2013 में डेविड धवन की फिल्म चश्मे बद्दूर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लुक्स और डेब्यू के बीच एक रिलेशन को लेकर बातचीत की। तापसी ने एक शो में खुलासा किया कि उनकी शक्ल प्रीति जिंटा के साथ मिलती है जिसकी वजह से उन्हें इंडस्ट्री में लाया गया। एक्ट्रेस ने कहा कि ऐसे में वो जितना हो सके प्रीति जिंटा जैसा कोशिश कर रही हैं। तापसी हाल ही में शिखर धवन के शो धवन करेंगे में नजर आई थीं। इस दौरान एक्ट्रेस ने बातचीत में कहा, मुझे पहली बार बॉलीवुड में इसलिए लाया गया क्योंकि मेरी शक्ल प्रीति जिंटा से मिलती है। उनके अंदर बहुत पॉजिटिव एनर्जी है और ये बात आप भी अच्छी तरह से जानते हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि मुझे लगा कि मुझे उनकी अच्छी इमेज के साथ काम करना होगा, क्योंकि मैं उनके नाम की वजह से ही इंडस्ट्री में आई थी। इसलिए,मैंने हमेशा उनके जैसा बनने की कोशिश की। तापसी ने प्रीति जिंटा की तारीफ करते हुए उन्हें जिंदादिल और इंटेलीजेंट बताया। तापसी ने इस साल की शुरुआत में डेनिश बैडमिंटन कोच मैथियस बो से उदयपुर में गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी। एक्ट्रेस ने अपनी शादी की कोई फोटो या वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर नहीं की और ना ही इस बारे में किसी से कोई बात की। एक इंटरव्यू में तापसी ने मैथियस संग अपने रिश्ते को लेकर बात की थी। तापसी ने कहा, मैथियस से मेरा प्यार पहली नजर का प्यार नहीं था। मैंने ये परखने के लिए समय लिया कि क्या वाकई में ये प्रैक्टिकल है? मेरे लिए रिश्ते में सहज होना जरूरी था। तापसी को आखिरी बार शाह रुख खान के साथ फिल्म डंकी में देखा गया था। अब वो बहुत जल्द पॉपुलर थ्रिलर हसीन दिलरुबा में नजर आने वाली हैं।

बेबाक बयानों से मेकर्स बुरा -भला बोलने लगते हैं: स्वरा

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर इन दिनों अपने मदरहुड को एंजॉय कर रही हैं। शादी के बाद स्वरा ने बड़े पर्दे से दूरी बनाई हुई है। वीरे दी वेडिंग, तनु वेड्स मनु, रांझणा और अनारकली ऑफ आरा जैसी फिल्मों में स्वरा ने अपना जबर्दस्त अभिनय प्रदर्शन दिखाया गया है। अभिनेत्री को उनके बेबाक बयानों के लिए भी जाना जाता है। स्वरा को लगता है कि अपनी बात स्पष्ट तरीके से रखने और राजनीतिक विचारों के कारण उन्हें काम के कम अवसर मिले हैं। स्वरा भास्कर ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, मुझे एक विवादास्पद अभिनेत्री के रूप में टैग किया गया है। निर्देशक, निर्माता और वितरक आपके बारे में बुरा बोलना शुरू कर देते हैं। आपकी एक छवि बन जाती है। ऐसा नहीं है कि यह मुझे चिंतित नहीं करता है, लेकिन मैं खुद को बचाए रखने में कामयाब रही हूं। मगर जो बात मुझे सबसे ज्यादा दुख पहुंचाती है, वह यह है कि मैं उस चीज से संतुष्ट नहीं हो पाई जिसे मैं सबसे ज्यादा पसंद करती हूं और वो अभिनय है। अभिनेत्री ने कहा, मेरी बेटी राबिया के जन्म से पहले अभिनय मेरा सबसे बड़ा जुनून और मेरा सबसे बड़ा प्यार था। मुझे अभिनय और अभ्यास पसंद था। मैं बहुत सारी भूमिकाएं और अभिनय करना चाहती थी। मुझे उतने मौके नहीं मिले जितने मैं चाहती थी। इतने सारे अभिनय प्रोजेक्ट न मिलने की एक कीमत है, जिसमें वित्तीय और भावनात्मक दोनों शामिल हैं। प्रतिष्ठा को लेकर चिंता है। स्वरा ने कहा, मैं ऐसा नहीं दिखाना चाहती कि मैं परेशान हूं। मैंने यह रास्ता चुना। मैंने तय किया कि मैं मुखर रहूँगी और मुद्दों पर अपनी राय रखूंगी और मुद्दों पर अपनी राय रखूंगी। मैं चुप रहना भी चुन सकती थी। पद्मावत में जौहर वाले सीन पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए मुझे खुला पत्र लिखने की कोई जरूरत नहीं थी। मुझे ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा, आप मुझसे सारी शिकायतें कर सकते हैं। आप मुझे पसंद या नापसंद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जो लोग मुझसे नफरत करते हैं, वो भी ये नहीं कह सकते, मैं झूठी हूं या ये नकली हूं। वे यह नहीं कह सकते कि मैं कोई और होने का दिखावा कर रही हूं।

अजब-गजब | 20 साल पहले उबले अंडे की बदली सूरत

कीमती पत्थर जैसा हुआ हुलिया!

अंडा उबालकर खाना तो सभी को पसंद होता है। कई लोग उसका ऑमलेट बना लेते हैं, भुर्जी बना लेते हैं और जितने भी तरह की डिशेज अंडे से बन पाती हैं उन्हें बना लिया जाता है लेकि उबले हुए अंडे की बात ही कुछ अलग है। पर क्या आपने कभी सोचा है कि अगर उबले हुए अंडे को खाया न जाए, बस संरक्षित कर के रख लिया जाए तो क्या होगा? इस बात का पता हाल ही एक खबर से पता चलता है। एक चीनी महिला ने सालों तक अंडे को संरक्षित कर के रखा, मगर अब उसका लुक ऐसा हो गया कि वो देखने में अंडा नहीं, बल्कि कीमती पत्थर लगने लगा है। एक चीनी महिला ने लोगों को 20 साल पुराने उबले हुए अंडे की फोटो दिखाकर दंग कर दिया है। महिला का सरनेम फू है और उसने कुछ वक्त पहले चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म दोबान पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो जीवाश्म अंडे की हैं। सोशल मीडिया पर जब तस्वीर वायरल हुई तो न्यूज आउटलेट ने भी महिला से संपर्क किया और अंडे की कहानी के बारे में जाना। महिला ने बताया कि जब वो स्कूल में थी, तब उसकी मां ने उसके खाने के लिए अंडा खरीदा था। उसका साइज काफी छोटा था। महिला ने

एक दिन अंडे को उबालकर बच्ची को स्कूल में खाने के लिए दे दिया। पर चूंकि अंडा उसके बैग के अलग पॉकेट में रखा था, तो उसका ध्यान नहीं गया। 3 दिन बाद जब उसने अंडे पर ध्यान दिया, तो उसे लगा कि वो अब तक खराब हो चुका होगा। मगर उसे फेंकने की जगह उसने अंडे को फ्रिज के ऊपर सहेजकर रख दिया। दो-तीन महीने बाद बच्ची की मां को वो अंडा दिखा जो सड़ने लगा था, मगर खराब होने की जगह वो लाल रंग लेता जा रहा था और चमकने लगा था। महिला ने उसे अपने गहनों के डिब्बे में सहेजकर रख लिया। साल बीते और फू अपने माता-पिता के घर से निकलकर बाहर चली गई पर ना ही उसे और ना ही उसकी मां को उस अंडे का ध्यान रहा। कुछ दिनों पहले जब मां घर की सफाई कर रही थीं तब उन्हें वो अंडा नजर आया। वो पूरी तरह लाल हो चुका था, चमक रहा था और उसके ऊपर लाइन्स थीं। दिखने में वो प्लास्टिक जैसा लग रहा था पर उसकी चमक और लाल रंग उसे रूबी जैसे कीमती पत्थर का लुक दे रही थीं।

यहां मिलता है काले रंग का अंडा, सेवन करने से बढ़ जाती है इंसान की उम्र!

आपने सफेद अंडे तो बहुत देखे होंगे, उन्हें खाया भी होगा पर क्या कभी आपने मुर्गी का काला अंडा देखा है? आप कहेंगे कि अंडा जल जाने के बाद काला हो सकता है पर प्रकृतिक रूप से काला अंडा नहीं हो सकता। पर जापान में काले रंग का अंडा देखने को मिलता है जिसे देखकर हर कोई हैरान हो जाता है। हम बात कर रहे हैं कूरो टमागो की जिसे काला अंडा कहा जाता है। जापान में ओवाकुदानी नाम की ग्रेट बॉइलिंग वैली है। ये माउंट हकोने पर स्थित है। 3000 साल पहले ज्वालमुखी फटने की वजह से ये बनी थी। यहां इतना तेज धमाका हुआ था कि आज भी इस इलाके में उबलते पानी के छोटे-छोटे तालाब बने हुए हैं। यहां मौजूद लोग इन्हीं तालाब में मुर्गी का साधारण सा अंडा उबालते हैं जो काले रंग का हो जाता है। इस काले अंडे को कूरो टमागो कहते हैं। मान्यता है कि ओवाकुदानी के उबलते पानी में उबले इन काले अंडों को जो कोई भी खा लेगा, उसकी जिंदगी में 7-8 और भी बढ़ जाएंगे। पर सवाल ये उठता है कि अगर अंडा मुर्गी का ही है और उसमें कोई खासियत नहीं है, और पानी भी उबलता हुआ है तो वो काला कैसे हो जाता है। दरअसल, इस पानी में सल्फर भारी मात्रा में है। इसकी वजह से पानी में सल्फर डायऑक्साइड और हाइड्रोजन सल्फाइड बनता है। जब ये पानी अंडे के छिलके से मिलता है तो काला हो जाता है। इस अंडे से सल्फर की महक आती है और स्वाद भी वैसा ही हो जाता है। अंडों को बड़ी मात्रा में इन्हीं पानी में उबाला जाता है और बहुत से लोग वहां घूमने और इन अंडों को खाने आते हैं। इन्हें धातु के बड़े मेटल क्रेट में भरा जाता है और एक घंटे तक पानी में डाल दिया जाता है। पानी का तापमान करीब 80 डिग्री सेल्सियस तक होता है। इसके बाद उन्हें 100 डिग्री सेल्सियस तक 15 मिनट के लिए स्टीम किया जाता है। वो काले होकर बाहर निकलते हैं और अंदर सफेद और पीला रंग मौजूद रहता है। लोगों को 300 रुपये में 5 अंडे दिए जाते हैं, यानी 300 रुपये में 35 साल!

पूर्व सीएम बंसीलाल की बहु व पोती भाजपा में शामिल

» किरण और श्रुति चौधरी ने थामा कमल

» दोनों नेत्रियों ने कांग्रेस का दामन छोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व सीएम बंसीलाल की बहु व पोती आज भाजपा में शामिल हो गई। कांग्रेस विधायक किरण चौधरी व उनकी बेटी पूर्व सांसद श्रुति चौधरी ने दिल्ली में पार्टी का दामन थामा। इस दौरान हरियाणा के सीएम नायब सैनी, पूर्व सीएम मनोहर लाल समेत भाजपा के बड़े नेता मौजूद रहे। किरण और श्रुति चौधरी ने मंगलवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजे इस्तीफे के पीछे किरण ने लिखा है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा में कांग्रेस को व्यक्तिगत जागीर के तौर पर चलाया जा रहा है। इसमें मेरी जैसी ईमानदार आवाजों के लिए कोई जगह नहीं है। मेरे जैसे लोगों को बहुत ही सुनियोजित तरीके से दबाया जाता है। समय-समय पर अपमानित किया जाता है और साजिशें रची जाती हैं। अपने लोगों को प्रतिनिधित्व करने और मूल्यों को बनाए रखने के लिए मेरे प्रयासों में बाधा उत्पन्न की जा रही है। मेरा लक्ष्य शुरू से ही अपने राज्य और अपने देश के लोगों की सेवा करना रहा है। मगर अब ऐसी बाधाओं की वजह से काम करने में असमर्थ हूं। अपने लोगों और कार्यकर्ताओं की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए मैं आगे देखने के लिए मजबूर हूं। वहीं, श्रुति चौधरी ने भी अपने इस्तीफे में कहा कि कांग्रेस पार्टी दुर्भाग्य से एक व्यक्ति केंद्रित हो गई है, जिसने अपने स्वार्थी व हितों के लिए पार्टी के हितों से समझौता किया है। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री चौ. बंसीलाल परिवार का अच्छा खासा प्रभाव था। बंसीलाल की पोती श्रुति चौधरी भी यहां से सांसद रह चुकी हैं। पिछले कुछ समय से किरण को लेकर सियायी गलियारों में अफवाहें और कयास तेज हो गए थे लेकिन मंगलवार को उनके कांग्रेस से इस्तीफे के बाद तस्वीर अब स्पष्ट हो गई है।

कोई फर्क नहीं पड़ता : उदय भान

किरण चौधरी के कांग्रेस से इस्तीफा देने पर हरियाणा पार्टी के अध्यक्ष उदय भान ने कहा कि इसका कांग्रेस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने पार्टी इसलिए छोड़ी क्योंकि उनकी बेटी को टिकट नहीं दिया गया...इसका विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं है।

किरण चौधरी से मैं संपर्क में हूं, मनाने की कोशिश होगी : कुमारी सैलजा

सिरसा से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि किरण चौधरी की नाराजगी स्वभाविक है। उनको मनाना चाहिए। मैं उनके संपर्क में हूं। जिस हिसाब से टिकट वितरण हुआ, उससे लगता है कि उनका टिकट काटने के लिए ही ऐसा किया गया। किरण चौधरी का प्रदेश में बड़ा कद है। श्रुति चौधरी भी पूर्व सांसद रही हैं। उन्हें नजरअंदाज करना ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रभारी की भूमिका अच्छी नहीं रही। जिस तरह से रात को फोन कर लड़की को दबाने, डराने का प्रयास किया गया, वह अच्छा नहीं था। कुमारी सैलजा ने कहा कि बहुत से विधायक भाजपा से दुखी हैं। दूसरी विपक्षी पार्टी भी भाजपा के विरोध में हैं। हम सभी को अपने साथ लाने का प्रयास करेंगे। हम नंबर संख्या जुटाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। राज्यसभा सदस्य के लिए कांग्रेस जल्द ही प्रत्याशी का एलान करेगी। हाईकमान जल्द ही नाम की घोषणा करेगा।

झूठे इल्जाम लगा कर मुस्लिमों पर हो रहा अत्याचार : ओवैसी

» एआईएमआईएम के नेता ने मप्र सरकार के एक्शन पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मंडला में समुदाय विशेष के घरों के फ्रिज में गोमांस मिलने पर सरकार ने 11 लोगों के अवैध कब्जों पर बुलडोजर की कार्रवाई की है। इस पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी भड़क गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि 2015 में अख़लाक़ के फ्रिज में रखे गोश्त को बीफ बता कर एक हुजूम ने उनके घर में घुस कर उन्हें मार दिया था। न जाने कितने मुसलमानों पर तस्करी और चोरी का झूठा इल्ज़ाम लगा कर उनका क़त्ल कर दिया गया।

ओवैसी बोले, जो काम पहले भीड़ करती थी वो काम अब सरकार कर रही है। मध्यप्रदेश सरकार ने कुछ मुसलमानों पर इल्ज़ाम लगाया कि उनके फ्रिज में बीफ था और 11 घरों पर बुलडोजर चला दिया। न-इंसाफी का सिलसिला थमता नहीं। चुनाव के नतीजों से पहले और बाद भी, घर मुसलमानों के ही तोड़े जाते हैं, क़त्ल मुसलमानों के ही होते हैं, जिन्हें झोली भर-भर के मुसलमानों का वोट मिलता है, वो क्यों चुप हैं?

कानून के तहत सबको चलना होगा : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, यह ओवैसी की दृष्टि हो सकती है, जिसमें वे दो वर्गों की बात करते हैं। बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि वे जिस वर्ग से आते हैं, वे उस वर्ग को भी लज्जित करते हैं। भारत में संविधान से सरकारें चलती हैं। हमारी सरकार अपराध पर कार्रवाई करना लगातार जारी रखेगी। कानून के अंतर्गत सबको चलना होगा। हम कॉम्प्रोमाइज नहीं करने वाले हैं। गुंडा तत्वों के खिलाफ सरकार का निर्णय कठोरता से पेश करेंगे।

दिल्ली में पानी संकट पर सियासत जारी

» दिल्ली जल बोर्ड के 250 में से 100 टैंकर लापता : देवेंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के अंतरिम दिल्ली प्रमुख देवेंद्र यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी में पानी की भारी कमी के कारण दिल्ली जल बोर्ड के 250 पानी टैंकरों में से कम से कम सौ टैंकर रोस्टर से गायब हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली जल बोर्ड के पास गर्मियों के दौरान हमेशा 250 विभागीय टैंकर होते थे। यादव ने आरोप लगाया और आश्चर्य जताया कि इस गर्मी में 100 टैंकर गायब हो गए।

उन्होंने कहा, यह भी आश्चर्य की बात है कि दिल्ली जल बोर्ड ने पानी की कमी से निपटने के लिए टैंकरों की संख्या नहीं बढ़ाई, क्योंकि आम आदमी पार्टी 10 साल पहले दिल्लीवासियों को मुफ्त बिजली और पानी उपलब्ध कराने के वादे पर सत्ता में आई थी। यादव ने दावा किया कि 2022 में दिल्ली के 10,141 पानी की कमी वाले स्थानों की सेवा के लिए दिल्ली जल बोर्ड के पास अनुबंध पर 407 टैंकर, किराये पर 541 और विभाग के 250 टैंकर थे।

कांगेस ने दिल्ली सरकार पर उठाया सवाल

दिल्ली सरकार पानी की कमी को लेकर आखिरी समय पर जागती है, क्योंकि दिल्ली जल बोर्ड पानी की कमी को दूर करने के लिए पहले से कोई ग्रीष्मकालीन कार्ययोजना नहीं बनाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पानी की कमी नियंत्रण से बाहर हो जाती है तो आप और भाजपा आरोप-प्रत्यारोप में लग जाते हैं और कमी से निपटने में एक-दूसरे पर मिलीभगत और ढिलाई का आरोप लगाते हैं।

बिहार में नौकरियां खोलें सीएम : तेजस्वी

» नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा- हमने 17 महीने में पांच लाख नौकरियां दीं थीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने फिर से नीतीश सरकार और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने कहा कि अब लोकसभा चुनाव पूर्ण हो चुके हैं। पहले से प्रक्रियाधीन तीन लाख नौकरियों के अलावा सरकार हमारी सरकार के निर्णय अनुसार सभी विभागों की बाक़ी रिक्तियों पर यथाशीघ्र बहाली प्रक्रिया शुरू कर नियुक्तियां करायें।

सीएम नीतीश पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी कहते थे कि 10 लाख सरकारी नौकरियां देना असंभव है। इतनी नौकरियों का पैसा तेजस्वी कहां से लाएगा? उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हमने 17 महीनों के अल्प कार्यकाल में पांच लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी। इसी दौरान तीन लाख सरकारी नौकरियां प्रक्रियाधीन करवाई जो आचार संहिता के चलते कुछ महीनों से रुकी थी। हमारे हटते ही पूर्व निर्धारित तीसरे चरण में एक लाख शिक्षकों की भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने की वजह से वह रद्द हो गयी थी।

राजनीति का परिणाम हमेशा ही सकारात्मक मिलेगा

तेजस्वी यादव ने कहा कि जब हमारे साथ सरकार में आकर बैठे तो हमने साइंटिफिक तरीके से मुख्यमंत्री जी सहित वरीय अधिकारियों (जो इनके कार्यकाल में हमेशा संविदा और आउटसोर्सिंग के पक्षधर रहे) को बताया और समझाया कि कैसे दस लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा सकती है। इससे पूर्व तक वो यह मानने को ही तैयार नहीं होते थे कि बिहार में लाखों पद रिक्त भी है। हमारी सकारात्मक राजनीति का परिणाम हमेशा ही सकारात्मक मिलेगा। जिन लाखों युवक-युवतियों को नौकरियां मिली और मिलेंगी उन पर हमारी इस पॉजिटिव प्रोमेसिव और मुद्दे आधारित राजनीति का जीवन भर प्रभाव रहेगा।

भारतीय क्रिकेट टीम को संवारेंगे गौतम गंभीर

» हेड कोच बनने के करीब इंटरव्यू का पहला राउंड किया पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने को भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच पद के लिए अपना इंटरव्यू दिया। अगला राउंड बुधवार को होगा। बता दें कि, ये इंटरव्यू साक्षात्कार 'जूम कॉल' पर हुआ जिसमें गंभीर और अशोक मल्होत्रा दोनों ऑनलाइन शामिल हुए। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि, हां, गंभीर सीएसी के साथ इंटरव्यू के लिए उपस्थित हुए।

आज एक दौर की चर्चा हुई। कल एक और दौर होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि गंभीर एकमात्र उम्मीदवार हैं जो दावेदारी में हैं और उनके नाम की घोषणा महज औपचारिकता है जो अगले 48 घंटों में हो सकती है। हालांकि, सीएसी के अध्यक्ष मल्होत्रा और उनके सहयोगियों जतिन परांजपे और सुलक्षणा नाइक के साथ गंभीर की बातचीत के बारे में तुरंत पता नहीं चल पाया है। माना जा रहा है कि चर्चा अगले तीन वर्षों के लिए गंभीर की रणनीति पर केंद्रित थी जिस दौरान विभिन्न प्रारूपों में तीन आईसीसी टूर्नामेंट होने हैं। मंगलवार शाम को शीर्ष परिषद की बैठक है और समझा जाता है कि सचिव जय शाह अंतिम घोषणा से पहले कोच चयन प्रक्रिया के बारे में सदस्यों को अवगत कराएंगे। सीएसी उत्तर क्षेत्र से चयनकर्ता पद के लिए कुछ इच्छुक उम्मीदवारों का साक्षात्कार भी ले रही है। 42 वर्षीय गंभीर ने हाल ही में कोलकाता नाइट राइडर्स को टीम के मेंटर के रूप में आईपीएल ट्रॉफी दिलाई थी। मौजूदा भारतीय कोच राहुल द्रविड़ अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे मौजूदा टी20 विश्व कप में टीम का अभियान खत्म होने के बाद पद छोड़ देंगे।

विलियमसन ने कप्तानी से दिया इस्तीफा

न्यूजीलैंड के सुपर-8 से चूकने के बाद केन विलियमसन ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है और केंद्रीय अनुबंध भी ठुकरा दिया है। उनके इस फैसले ने सभी को हैरान कर दिया। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि वह जल्द ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं? स्टार बल्लेबाज पहले ही टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि विलियमसन के अलावा, लॉकी फर्ग्यूसन ने भी न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड से केंद्रीय अनुबंध लेने से मना कर दिया है। इसकी जानकारी न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट के जरिए दी। इसमें बताया गया कि विलियमसन ने यह फैसला अपने खेल पर ध्यान देने के लिए लिया है।

बिहार पुलिस ने मानवता को किया शर्मसार

» भागलपुर में सात मजदूरों पर किया थर्ड डिग्री का इस्तेमाल मलद्वार में डाला पेट्रोल

» अपराध कबूलने का डाल रहे थे दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार पुलिस ने खौफनाक हरकत ने मानवीयता को शर्मसार कर दिया है। बिहार की एनडीए सरकार की पुलिस ने ऐसा काम किया है जो दुश्मन भी नहीं करता है। दरअसल, बिहर के भागलपुर में पुलिस का खौफनाक चेहरा सामने आया है।

यहां गौरडीह पुलिस ने मजदूरी करने वाले सात लोगों को पहले उनके घरों से उठाया और फिर थाने ले जाकर उनकी जमकर पिटाई की। इतना ही नहीं पुलिस ने हिरासत में लिए मजदूरों के साथ थर्ड डिग्री टॉर्चर किया। पुलिस ने पहले मजदूरों को बुरी तरह पीटा और फिर उनके मलद्वार में पेट्रोल डाल दिया और फिर बेल्ट से उनकी पिटाई की।

हद पार कर दी पुलिस ने

इतना ही नहीं पुलिस का पिटाई से मन नहीं भरा तो उन्होंने मलद्वार में पेट्रोल डाल दिया। शख्स ने बताया, पिटाई में शामिल पुलिस करंट के तार को भी सटाने की लगातार धमकी दे रहे थे और बार-बार कह रहे थे कि अपराधी कौन है नाम बताओ। जबकि हम नहीं जानते कि हत्या किसने की है। उन्होंने कहा, साहब, पुलिस ने बहुत पीटा है, हम लोग गरीब आदमी हैं. हरिजन जाति से आते हैं इसलिए हम लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर हमारे साथ मारपीट की।

ये है पूरा मामला?

जानकारी के मुताबिक यह मामला गोराडीह थाना क्षेत्र के पहाड़िया स्थान का है, जहां 49 वर्षीय सुमेश मंडल की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। इसी मामले में पुलिस ने सात मजदूरों को हिरासत में लिया था और उनसे पूछताछ करने के लिए थाने ले गई थी। मायागंज में इलाज कराने आए घायल धनेश्वर दास ने बताया कि पुलिस पूछताछ के लिए थाना लेकर गई थी और वहां पर जबरदस्ती अपराधियों के नाम को कबूल करवाने की कोशिश कर उन्हें बुरी तरह पीटने लगी।

फोटो :4 पीएम

योगाभ्यास आज सुबह मोती महल लॉन में आज मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने योगाभ्यास किया।

मथुरा में तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, तीन की जान गई

» पति-पत्नी और देवर की मौत से परिवार में मचा कोहराम

» धनबाद में ट्रक कार से भिड़ी, चार दोस्तों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। मांट थाना क्षेत्र के पानीगांव स्थित डाडौली गांव स्थित एक कार ने बुधवार सुबह साढ़े दस बजे बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गर्भवती पत्नी, पति और देवर की मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस में तीनों शव को मोर्चरी में रखवा कर स्वजन को सूचना दी। एक परिवार में तीन मृत्यु की सूचना से कोहराम मच गया। मांट थानाक्षेत्र के चांदपुर की रहने वाली राधिका करीब 4 माह से गर्भवती थी। बुधवार सुबह पति पंकज उनको डक्टर को दिखाने के लिए बाइक से सीएचसी मांट लेकर जा रहे थे।

बाइक पर पंकज का छोटा भाई आकाश भी बैठा था। बुधवार सुबह 10:30 बजे पानीगांव स्थित डाडौली गांव पहुंचते ही सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि राधिका और आकाश उछल कर दूर जा गिरे। हादसे में पंकज और राधिका की मौके पर ही मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने आकाश को भी मृत घोषित कर दिया। एक परिवार में तीन मृत्यु से कोहराम मच गया। पंकज की दो वर्ष पूर्व राधिका से शादी हुई थी।

धनबाद में ट्रक कार से भिड़ी, चार दोस्तों की मौत

झारखंड के धनबाद जिले में एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी, जिससे वाहन में सवार चार दोस्तों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 190 किलोमीटर दूर लोहारबरवा में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात हुई थी। गोविंदपुर के पुलिस उपाधीक्षक शंकर कांति ने बताया कि चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि घायल व्यक्ति को इलाज के लिए धनबाद के निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नीतीश सरकार मुझे फंसा रही : बीमा भारती

» सीएम से पूछा- मैं आतंकवादी हूं क्या

» आवास पर पुलिस की रेड पर भड़कीं राजद नेत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना/ पूर्णिया। रुपौल की पूर्व विधायक और राष्ट्रीय जनता दल की नेत्री बीमा भारती के सरकारी आवास पर पुलिस ने छापेमारी की है। पूर्णिया पुलिस बीमा भारती के बेटे राजा की तलाश में पहुंची थी। हालांकि, पुलिस को कुछ हाथ नहीं लगा लेकिन बीमा भारती उनपर जमकर बरसीं।

बीमा भारती ने पूछा कि आप किसकी इजाजत लेकर से अंदर घुस गए। मैं महिला और पूर्व विधायक हूं। आपके पास वारंट भी नहीं है। फिर आप कैसे घुस आए। मेरा कोई कोई चोर हैं क्या? वह पढ़ने लिखने वाला लड़का है। आपको पूछताछ करनी है तो वह भवानीपुर थाना जरूर जाएगा। इस

तरह से आप मुझसे अपराधी जैसा व्यवहार नहीं कर सकते हैं। इसके बाद पुलिसकर्मी वहां से चले गए। इधर, बीमा भारती ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पुलिस बिना वारंट घर में घुस गई। कोई आतंकवादी या अपराधी हूं क्या। इस तरीके से नहीं घुसना चाहिए था। सीएम नीतीश कुमार की सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह सब सरकार के इशारे हो रहा है। मुझे जान-बूझकर परेशान किया जा रहा है। मेरे बेटे को फंसाया गया है। मुझे भी फंसाइए। मेरे पूरे परिवार को फंसाकर जेल भेज दीजिए। मेरे 18 साल के बेटे को जमीन विवाद में फंसाया जा रहा है।

राज्यसभा सांसद की बेटी ने फुटपाथ पर सो रहे व्यक्ति पर बीएमडब्ल्यू चढ़ाई, मिली जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। पुणे पोर्शे दुर्घटना मामले को एक महीना भी नहीं बीता है कि एक और हाई प्रोफाइल व्यक्ति से जुड़ा हिट एंड रन का मामला सामने आया है। चेन्नई में एक राज्यसभा सांसद की बेटी ने कथित तौर पर फुटपाथ पर सो रहे व्यक्ति के ऊपर अपनी बीएमडब्ल्यू गाड़ी चढ़ा दी। चोट लगने से शख्स की मौत हो गई. इस मामले में महिला को जमानत भी मिल गई है।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद बीड़ा मस्तान राव की बेटी माधुरी बीएमडब्ल्यू चला रही थीं। उसने कथित तौर पर चेन्नई के बेसेंट नगर में फुटपाथ पर सो रहे 24 साल के एक पेंटर सूर्या पर कार चढ़ा दी। कुछ लोग सूर्या को अस्पताल ले गए, लेकिन चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। राव 2022 में राज्यसभा सांसद बने। साथ ही विधायक भी रहे हैं। राव बीएमआर समूह के संस्थापक हैं और समूह समुद्री खाद्य उद्योग में जाना-माना नाम है।

फोटो :4 पीएम

वितरण कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर नवल किशोर रोड स्थित चौपड़ अस्पताल में कांग्रेसियों ने वस्त्र वितरण किया।

मौसम के अलग-अलग रंग : उत्तर भारत में लू का कहर, पूर्वोतर में बाढ़ का असर

» यूपी में गर्मी सता रही, मानसून भी अटका, लोगों का हाल बेहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जून महीने में मौसम दो अलग-अलग रुप दिखा रहा है। जहां उत्तर भारत में भीषण गर्मी व लू चल रही है वहीं पूर्वोत्तर भारत में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। इन मौसमी आपदाओं से कई लोगों की जान जा चुकी है। उधर दक्षिण-पश्चिम मानसून 19 मई को निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ा। इसके बाद इसने 26 मई तक चक्रवात रेमल के साथ दक्षिण के अधिकांश हिस्सों और बंगाल की खाड़ी के मध्य के कुछ हिस्सों को कवर कर लिया था।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि 12 से 18 जून के बीच मानसून में कोई प्रगति नहीं

हुई है, जिसके चलते जून के महीने में भारत में सामान्य से 20 फीसदी कम बारिश हुई है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि अगले तीन से चार दिनों में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश, उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी, बिहार और झारखंड के कुछ हिस्सों में मानसून पहुंच सकता है।

मानसून अभी आगे नहीं बढ़ा

मौसम विभाग का कहना है कि, मानसून आगे नहीं बढ़ा है और 18 जून को इसकी उत्तरी सीमा नवसारी, जलगांव, अमरावती, चंद्रपुर, बीजापुर, सुकमा, मलकानगिरी और विजयनगरम से होकर गुजरी। आईएमडी ने बताया कि देश के 11 मौसम विज्ञान उप-विभागों में 1 से 18 जून के बीच सामान्य से लेकर बहुत अधिक बारिश हुई है, जबकि 25 में बहुत कम बारिश हुई है।

असम में बाढ़ की स्थिति बिगड़ी अब तक 26 लोगों की मौत

असम में आई भीषण बाढ़ से अब तक 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और 15 जिलों में 1.61 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। करीमगंज जिले की हालत और भी गंभीर बताई जा रही है। बाढ़ से 15 जिलों में 93895 पालतू जानवर भी प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से सभी आवश्यक कदम उठाने और प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत करने का निर्देश दिया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।